राष्ट्रीय नदी गंगा का भौगोलिक परिचय

गंगा नदी की कुल लम्बाई (भागीरथी एवं हुगली सहित इसके उद्‌गम से समुद्र में मिलने तक) २५२५ कि.मी. है।

भारत में गंगा की लम्बाई २५२५ कि.मी. है। इसमें उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश में १४५० कि.मी., उत्तर प्रदेश-बिहार सीमा से लगभग ११० कि.मी., बिहार में ४४५ कि.मी. तथा पश्चिम बंगाल में ५२० कि.मी. पड़ता है।

दो नदियों अलकनन्दा तथा भागीरथी उत्तराखण्ड राज्य के देवप्रयाग में मिलती हैं तथा उसके बाद बनी धारा को गंगा कहा जाता है लेकिन भागीरथी के उद्‌गम स्थल को गंगा का उद्‌गम स्थल माना जाता है।

गंगा नदी का उद्‌गम स्थल उत्ताराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में ७०१६ मीटर की उँचाई पर गंगोत्री हिमाद्री है।

पश्चिम बंगाल के उत्तरी एवं दक्षिणी २४ परगना जिलों में गंगा नदी का डेल्टा है जो इसका अन्तिम बिन्दु है। चूंकि गंगा नदी अपने अंतिम पड़ाव से डेल्टा का रूप लेकर सैकड़ों चैनलों में विभक्त हो जाती है और समुद्र में अलग-अलग स्थानों पर जा गिरती है। इन सभी बिन्दुओं को गंगा का अंतिम बिन्दु कहा जाता है।

गंगा बेसिन का क्षेत्रफल भारत में ८६१४०० वर्ग कि.मी. है।

गंगा बेसिन में भारत वर्ष के ग्यारह राज्य हैं, जो उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ है।

मुख्य गंगा नदी का बहाव क्षेत्र १४००१० कि.मी. है।

मुख्य गंगा नदी के बहाव क्षेत्र में देश के उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड एवं पश्चिम बंगाल राज्य आते हैं।

गंगा नदी के बहाव क्षेत्र में निम्नलिखित राज्यों के जिले इस प्रकार हैं :-

(क) उत्तराखण्ड - उत्तर काशी, टेहरी, देहरादून एवं हरिद्‌वार जिला।

(ख) उत्तर प्रदेश - सहारनपुर, बदायूँ, मुरादाबाद, बलिया, मुजफ्फरनगर, फतेहपुर, बिजनौर, मेरठ, एटा, बुलंदशहर, फर्रुखाबाद, मिर्जापुर, गाजीपुर, अलीगढ़, कन्नौज, रायबरेली, इलाहाबाद एवं वाराणसी जिले।

(ग) बिहार - बक्सर, भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर एवं भागलपुर जिले।

(घ) झारखण्ड - साहेबगंज जिला।

(ड) पश्चिम बंगाल - मालदा, मुर्शिदाबाद, बहरमपुर, नदिया, बर्द्धमान, हुगली, हावड़ा, नार्थ एवं साउथ २४ परगना, पूर्वी, पश्चिमी मिदनापुर एवं कोलकाता जिला।

गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग ने गंगा की सहायक नदियों को अन्य नदियां/समूह नदियों के २२ (बाइस) भाग में दर्शाया है जो निम्न हैः- गोमती, अधवारा, घाघरा, महानन्दा, कमला-बलान, पुनपुन, अजय, बागमती, गंडक, बूढी गंडक, कोसी, मयूराक्षी, किउल-हरोहर, यमुना, टोन्स, रामगंगा, बदुआ चंदन, रूपनारायण-हल्दी-रसूलपुर, जालंगी, सोन एवं टाईडल नदी पद्धति।

गंगा के सहायक नदियों के स्रोत स्थान निम्नलिखित है :-

(क) रामगंगा - इसका उदगम स्थल हिमालय की पहाड़ी में करीब २५०० मी. की उंचाई पर गढ़वाल जिले में है।

(ख) गोमती - इसका स्रोत पीलीभीत शहर से ३० कि. मी. पूर्व में १८५ मी. की उंचाई पर स्थित है।

(ग) घाघरा - इसका उद्‌गम क्षेत्र हिमालयन ग्लेशियर के करीब ५५०० मी. उंचाई पर तिब्बत (चीन) में है।

(घ) गंडक नदी - यह नेपाल के मध्य हिमालयी पहाड़ी क्षेत्र के लगभग ७६२० मी. उंचाई से निकलती है।

(ड) यमुना नदी - इसका उद्‌गम स्रोत उत्तराखण्ड के उत्तर काशी जिले के यमुनोत्री ग्लेशियर पर स्थित है।

(च) टोन्स - इसका उद्‌गम क्षेत्र छत्तीसगढ़ के सतना जिले में करीब ६१० मी. की उंचाई पर कैमूर की पहाड़ी पर स्थित है।

(छ) अधवारा समूह - नदियों के समूह जिनमें-खिरोई, धावस या दरभंगा, बागमती, बांकी, झिमक, जलाध, जमुरा, सिकाओ, बुरहन्ड, मोहिम, महाराट, धुमाटी, थोमने, जामुनी, ब्रधीस, सिलामती, जतारदी,सिंघादी आदि को अधवारा समूह कहा जाता हे। ये सभी नेपाल के तराई से निकलती है एवं आपस में मिलकर दो चैनल खिरोई एवं दरभंगा बागमती कहलाती है। एकमीघाट में ये दोनों मिल जाती है।

(ज) महानन्दा नदी - इस नदी की उत्पत्ति दार्जिलिंग के महालीदान की हिमालयन पहाड़ी से होती है जिसकी उंचाई लगभग २१०० मी. समुद्र तल से है।

(झ) कमला-बलान - कमला नदी का उद्‌गम क्षेत्र नेपाल के महाभारत पहाड़ी के लगभग १२०० मी. की उंचाई पर स्थित है। कमला भारत के जयनगर के पास से निकलती है एवं आगे चलकर बलान से मिलकर कमला बलान कहलाती है।

(ट) पुनपुन - यह झारखण्ड के पलामू जिले में लगभग ३०० मी. की उंचाई पर पहाड़ी से निकलती है।

(ठ) अजय - यह झारखण्ड राज्य के देवघर जिले में पहाड़ी से निकलती है।

(ड) बागमती-यह नेपाल में काठमाण्डू से लगभग १६ कि.मी. पूर्व-उत्तर दिशा स्थित शिवपुर पहाड़ी से लगभग १५०० मी. की उंचाई से निकलती है।

(ढ) बूढी गण्डक - यह बिहार के सोमेश्वर पहाड़ी के लगभग ३०० मी. से निकलती है।
(ण) कोसी नदी - यह नेपाल स्थित हिमालय के लगभग ७००० मी. की उंचाई से निकलती है।
(त) मयूराक्षी नदी - यह झारखण्ड के संथाल परगना की पहाडियों से निकलती है।
(थ) दामोदर नदी - यह झारखण्ड के पलामू स्थित पहाडियों के लगभग ६०० मी. से निकलती है।
(द) किउल नदी - यह झारखण्ड के छोटा नागपुर की पहाड़ी से लगभग ६०५ मी. की उंचाई से निकलती है।
(ध) बदुआ चंदन नदी पद्धति - ये दोनों अलग-अलग छोटी नदियां हैं। जो नीचे आकर आपस से मिल जाती हें जिनमें बदुआ की उत्पत्ति मुंगेर (बिहार) की पहाडियों से होती है।
(न) रूपनारायण-रसूलपुर-हल्दी - इस समूह की नदियों में रूपनारायण की उत्पत्ति झारखण्ड के तिलबानी की पहाड़ी की लगभग ४०५ मी. की उंचाई से होती है।
रसूलपुर - यह पश्चिम बंगाल में स्थित कलियाघई नदी के दक्षिणी निचले भाग से निकलती है।
हल्दी - यह छोटानागपुर की पहाडियों के सावरबन्द स्थान से निकलती है।
(प) जालंगी - पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में पद्मा नदी के दांयी ओर फरक्का से लगभग १६५ कि.मी. नीचे से निकलती है।
(ब) सोन नदी - यह मध्य प्रदेश के विलासपुर जिला स्थित मैकाला की पहाडियों की लगभग ६४० मी. की उंचाई से निकलती है।
(भ) टाईडल नदी पद्धति - पश्चिम बंगाल की सुन्दरवन क्षेत्र की नदियों का समूह जो आपस में एक दूसरे से कई बार मिलती-बिखरती हें जिसका स्वरूप जाल की तरह प्रतीत होता है। ये सभी वास्तव में गंगा का ही स्पील चैनल है, वो टाईडल नदी पद्धति कहलाती है। इनका स्वरूप डेल्टा आकार का है।

सहायक नदियाँ गंगा में निम्नलिखित स्थानों पर मिलती हैं -
(क) रामगंगा - यह उत्तर प्रदेश के कन्नौज में गंगा नदी में मिलती है।
(ख) गोमती - यह जौनपुर जिले में गंगा नदी में मिलती है।
(ग) घाघरा - यह बिहार के सारण (छपरा) जिले से कुल कि.मी. नीचे गंगा की धारा में मिलती है।
(घ) गंडक नदी - यह बिहार के वैशाली जिले में सोनपुर के पास गंगा नदी में मिलती है।
(ड़) यमुना नदी - यह उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में गंगा नदी से मिलती है।
(च) टोन्स - यह इलाहाबाद से लगभग ३१ कि.मी. नीचे (डाउन स्ट्रीम) में गंगा से मिलती है।
(छ) अधवारा समूह - इकमी घाट में इनके साथ मिलने के उपरांत यह करेह (बागमती) में हायाघाट के पास मिल जाती है। इस समूह के नदियों की धारा गंगा में स्वयं नहीं मिलती है।

(ज) महानन्दा नदी - यह नदी अपने निचले भाग में दो भागों में विभक्त होती है जिसमें एक भाग फरक्का बराज के उपरी भाग में गंगा से मिलती है तथा दूसरा भाग बंगाल देश जाकर गंगा के पद्मा भाग से मिलती है।
(झ) कमला-बलान -यह नदी गंगा से नहीं मिलती है। यह फुईया (बिहार) में बागमती से मिलती है।
(ञ) पुनपुन - यह पटना के फतुहा के पास गंगा के दाएं भाग में मिलती है।
(ट) अजय - यह पश्चिम बंगाल के कटवा (बर्द्धमान जिला) में गंगा के भागीरथी चैनल से मिलती है।
(ठ) बागमती - यह गंगा में नहीं मिलती है। यह बिहार के खगड़िया जिला में कोसी से मिलती है।
(ड) बूढी गंडक - यह बिहार के खगड़िया में गंगा में आकर मिलती है।
(ढ) कोसी नदी - यह बिहार के कटिहार जिले के कुरसेला नामक स्थान पर गंगा में जा गिरती है।
(ण) म्यूराक्षी नदी - यह पश्चिम बंगाल में जाकर दो चैनलों में विभक्त होती है जो उत्तराँचल एवं बावला कहलाती है एवं दोनों चैनल क्रमशः गंगा के भागीरथी चैनल में ही गिरती है।
(त) दामोदर नदी - झारखण्ड से पश्चिम बंगाल में जाकर दामोदर दो चैनलों में विभक्त होती है तथा एक चैनल रूपनारायण नदी में तथा दूसरा चैनल गंगा के हुगली चैनल में मिलती है।
(थ) किउल-हरोहर - यह बिहार के सूर्यगढ़ा में गंगा में आकर मिलती है।
(द) बदुआ-चंदन नदी पद्धति - यह सुल्तानगंज (बिहार) के निकट गंगा में आकर मिलती है।
(ध) रूपनारायण-हल्दी-रसूलपुर - इस नदी समूह की नदियों में से रूपनारायण हुगली नदी में दामोदर की ठीक नीचे जाकर गिरती है।
रशुलपुर- यह हुगली के अंतिम बड़ी सहायक नदी है।
हल्दी - यह रूपनारायण से नीचे हुगली नदी में मिलती है।
(न) जालंगी नदी - यह पश्चिम बंगाल के नवदीप के पास गंगा के हुगली चैनल में जाकर मिलती है।
(प) सोन नदी - यह बिहार के भोजपुर जिले में कोयल्बर नामक स्थान पर गंगा में गिरती है।
(ब) टाईडल नदी पद्धति - इस पद्धति की सारी नदियां दो डेल्टा के स्वरूप की हें। विभिन्न छोटी-छोटी चैनल का आकार लेकर पश्चिम बंगाल के सुन्दरवन क्षेत्र में समुद्र से जाकर जाल के स्वरूप में मिलती है।

गंगा नदी फरक्का बजार से लगभग ४० कि.मी. डाउन स्ट्रीम में दो धाराओं में बंट जाती है। एक धारा को हम गंगा/पद्मा के नाम से जानते हैं तथा दूसरी धारा का नाम भागीरथी है। गंगा/पद्मा

पूर्व की ओर बहती है एवं बंगलादेश में ब्रह्मपुत्रा नदी से मिलने के उपरान्त पुनः मेघना से मिलने के बाद बंगाल की खाड़ी में समुद्र में जा मिलती है। भागीरथी भारतीय भाग से होकर बंगाल की खाड़ी में डेल्टा के रूप में बंट जाती है एवं समुद्र में जा गिरती है।

गंगा की डिस्ट्रीब्यूटरी का स्रोत फरक्का बराज के ४० कि.मी. डाउन स्ट्रीम है।

गंगा का मुहाना बंगाल की खाड़ी है।